।।बैठ नजदीक तूं ।।

बैठ नजदीक तूं सांवरे के, तार से तार जुड़ने लगेगा,
देख नजरों से नजरें मिलाके, तुमसे बातें वो करने लगेगा।
टेर

ये है भूखा तेरी भावना का, ये है प्यासा तेरे प्रेम रस का,
नंगे पैरों ही ये दौड़ा आता, प्रेमियों का इसे ऐसा चस्का,
प्रेम जितना तूं इससे बढ़ाये, इतना तेरी तरफ ये बढ़ेगा।

पास में बैठ कर के प्रभु को, अपने दिल की हकीकत सुनाओ,
एकटक तुम छवि को निहारो, कोई प्यारी सी धुन गुनगुनाओ,
भाव जागेंगे तेरे हृदय में, प्रेम तेरा उमड़ने लगेगा।

होगी आँखों ही आँखों में बातें, खूब समझोगे इसके ईशारे,
देगा निर्देश तुमको कन्हैया, बनते जाओगे तुम इसके प्यारे,
इसके कहने में जब तुम चलोगे, नाम दुनिया में तेरा चलेगा।

श्याम से प्यार जिसने किया है, स्वाद जीवन का उसने लिया है,
जिसने नजदिकियाँ है बढ़ाई, उसने मस्ती का प्याला पिया है,
बिन्नु होठों पे रख कर के देखो, सारा जीवन महकने लगेगा।

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com